'गोली चली' पर किसने चलाई साबित नहीं कर सकी पुलिस

- कुख्यात जुबेर मौलाना समेत पांच आरोपी बरी
- पुलिस फायरिंग साबित कर सकी, न आर्म्स एक्ट

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 अगस्त बहुचर्चित टीला जमालपुरा फायरिंग और गैंगवार मामले में कोर्ट ने कुख्यात जुबेर मौलाना, शरीफ उर्फ बच्चा, फैसल खान, सन्नी उर्फ शकील और जहीर खान उर्फ जायशा को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया. न्यायालय ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा.

6 मई 2025 की सुबह करीब 5: 45 बजे टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र के इंद्रानगर में जुबेर मौलाना अपने साथियों के साथ हथियारों से लैस होकर पहुंचा. आरोप था कि आरोपियों ने फायरिंग कर क्षेत्र में दहशत फैलाई और फैसल पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई. पुलिस ने इसे संगठित अपराध मानते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया. मुकदमे के दौरान अभियोजन को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब घायल, फरियादी और अन्य प्रत्यक्षदर्शी अदालत में अपने ही पुलिस बयानों से मुकर गए. जिन पांच गवाहों के जरिए पुलिस ने कारतूस, हथियार और अन्य जब्ती की कार्रवाई साबित करने की कोशिश की, उन्होंने भी अदालत में पुलिस की कार्रवाई का समर्थन नहीं किया.

अभियोजन ने दावा किया था कि जुबेर मौलाना के पास देशी पिस्टल तथा अन्य आरोपियों के पास तलवार और चाकू थे. लेकिन अदालत ने कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर पाया कि बरामद हथियार प्रतिबंधित श्रेणी के थे या उनका कब्जा कानूनन अपराध साबित होता है. लगभग डेढ़ वर्ष तक चले इस चर्चित मुकदमे में अदालत ने माना कि अभियोजन के साक्ष्य भरोसेमंद नहीं हैं. पुलिस की पूरी कहानी अदालत में टिक नहीं सकी. परिणामस्वरूप जुबेर सहित सभी पांचों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया गया. जुबेर पर भोपाल समेत विभिन्न जिलों में 55 मामले दर्ज हैं. वह अभी 444 दिन से जेल में है.

इन सवालों के जवाब नहीं

- **पहला:** क्या पुलिस मजबूत साक्ष्य जुटाने में नाकाम रही या फिर मुकदमे के दौरान गवाहों पर ऐसा दबाव बना कि वे अदालत में अपने ही बयानों से मुकर गए?
- **दूसरा:** यदि गवाहों के सामने जब्ती और अन्य कार्रवाई हुई ही नहीं, तो जांच की विश्वसनीयता कितनी मजबूत थी?
- **तीसरा:** पुलिस ने दावा किया था कि आरोपियों से देशी पिस्टल, तलवार और चाकू बरामद हुए, लेकिन अदालत ने माना कि अभियोजन यह साबित नहीं कर पाया कि बरामद हथियार प्रतिबंधित श्रेणी के थे और उनका अवैध कब्जा विधि अनुसार सिद्ध होता है.

बेरिकेड्स हटाने व्यापारियों ने निकाली रैली

भोपाल. राजधानी में पुराने शहर के व्यापारियों ने मंगलवार को रैली निकाली. यह रैली मोती मस्जिद के सामने लगे बेरिकेड्स हटाने की मांग को लेकर आयोजित की गई.व्यापारियों ने बताया कि काफी समय से लगे इन बेरिकेड्स के कारण ग्राहकों का आना कम हो गया है. ग्राहकों को चौक, सराफा, लखेरापुरा, जुमेराती, बुधवारा और इब्राहिमपुरा सहित आसपास के बाजारों में पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है. इससे व्यापार प्रभावित होने के साथ आम लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लखेरापुरा स्थित मोती मन्नू धर्मशाला में व्यापारियों की बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि यदि 7 अगस्त तक बेरिकेड्स नहीं हटाए गए तो बाजार बंद रखकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा. व्यापारियों ने कहा कि जब तक बेरिकेड्स नहीं हटाए जाएंगे, उनका आंदोलन जारी रहेगा.

फर्जी पुलिस गिरोह का पर्दाफाश

एक महिला सहित चार गिरफ्तार, युवक से सोने की चेन छीनी थी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 4 अगस्त. मिसरोद थाना पुलिस ने फर्जी पुलिस गिरोह का मंगलवार को पर्दाफाश किया. गिरोह में शामिल एक महिला सहित चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आदतन आरोपियों ने खुद को क्राइम ब्रांच पुलिस बताते हुए एक युवक से सोने की चेन छीनी. पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक कार को जब्त किया है.

पुलिस के मुताबिक रविवार-सोमवार को देर रात गिरोह के लोगों ने अभिषेक राजपूत (22) निवासी सलैया से सोने की चेन लूटी. अज्ञात लोगों ने अभिषेक से खुद को क्राइम ब्रांच पुलिसकर्मी बताया. आरोपी महिला पवित्रा लालजी और उसके साथियों अरशद खान, फरहान खान और अरशद खान को गिरफ्तार कर किया. आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में अपना गुनाह भी स्वीकार किया है.

फरियादी अभिषेक राजपूत ने मामले की शिकायत मिसरोद थाने में दर्ज कराई. अभिषेक ने पुलिस को बताया कि रात के समय, जब वह अपने दोस्त अनुज साद, सिद्धार्थ लोवंशी के साथ एक ढाबे से खाना खाकर घर लौट रहा था. तीनों युवक कॉलोनी की पार्किंग में पहुंचे थे, तभी एक कार से चारों आरोपी भी वहां पहुंचे. आरोपियों ने खुद को क्राइम ब्रांच पुलिस बताया और अभिषेक को जबरन कार में बैठाने की कोशिश की. अभिषेक के शोर मचाया तब आरोपियों ने अभिषेक को जान से मारने की धमकी दी और उसके गले में पहनी सोने की चेन खींच कर कार से फरार हो गए.

सीसीटीवी फुटेज खंगाली

मिसरोद इलाके में हुए मामले के सामने आने पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए. फुटेज में संबंधित कार की लोकेशन लेने के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया. पुलिस की सख्ती से हुई पूछताछ में आरोपियों ने वारदात की बात स्वीकार की. आरोपियों के पास से चोरी की गई सोने की चैन की फिलहाल जब्त नहीं हो पाई है. पुलिस ने आरोपियों की कार को भी जब्त कर लिया है. आरोपियों से अन्य घटनाओं को लेकर पूछताछ की जा रही है. आरोपियों के खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण पूर्व के भी दर्ज हैं.

फर्जी पत्र के मामले में भाजपा के 3 पदाधिकारी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 अगस्त. दतिया विधानसभा उपचुनाव के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष के निष्कासन का फर्जी आदेश सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में भोपाल क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में दतिया भाजपा का मीडिया प्रभारी शादाब, नगर उपाध्यक्ष शाहरूख और भाजपा कार्यकर्ता क्रिश रावत शामिल हैं.

तीनों को गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया,

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नाम और हस्ताक्षर का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी पत्र तैयार किया था. इस पत्र में दतिया भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा को पद से हटाने और पार्टी से निष्कासित करने का कथित आदेश दर्शाया गया था. इसके बाद पत्र को मतदान के दिन सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दिया गया.

पुलिस का कहना है कि वायरल किए गए दस्तावेज में कोई आधिकारिक क्रमांक या दिनांक नहीं थी, जिससे इसकी प्रामाणिकता पर शुरुआत से ही सवाल थे. पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इस साजिश में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं. क्राइम ब्रांच के मुताबिक दतिया विधानसभा उपचुनाव के मतदान वाले दिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के लेटरहेड पर तैयार एक कथित आदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था. इसकी शिकायत कराई थी.

> पत्र में भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किए जाने का दावा किया गया था. रघुवीर कुशवाहा ने इसे फर्जी बताते हुए इसे भाजपा की छवि धूमिल करने और चुनाव के दौरान भ्रम फैलाने की साजिश बताया था. भाजपा ने भी आधिकारिक तौर पर पत्र को फर्जी घोषित किया था. शिकायत के बाद भोपाल क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की थी.

निशातपुरा स्टेशन पर सन्नाटा रोज बिक रहे सिर्फ 15 टिकट

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 4 अगस्त. करीब तीन साल पहले तैयार हुआ निशातपुरा रेलवे स्टेशन 28 जुलाई से नियमित यात्री सेवाओं के लिए शुरू हो गया, लेकिन शुरुआत में ही यहां यात्रियों की संख्या बेहद कम है. रेल अधिकारियों के अनुसार स्टेशन से दिनभर में औसतन केवल 15 टिकट ही बिक रहे हैं.

निशातपुरा फिलहाल सी-ग्रेड स्टेशन की श्रेणी में है. रेलवे के अनुसार आसपास की आबादी के लिए स्टेशन उपयोगी साबित हो सकता है, लेकिन वर्तमान यात्री संख्या मुख्य भोपाल स्टेशन की तुलना में काफी कम है. दोनों ट्रेनों का भोपाल स्टेशन पर ठहराव होने के दौरान यात्रियों को शहर के प्रमुख हिस्सों से ट्रेन पकड़ने की सुविधा मिलती थी. अब स्टॉपेज निशातपुरा शिफ्ट होने से यात्रियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है.

यात्रियों का कहना है कि निशातपुरा पहुंचने के लिए

दो बड़ी ट्रेनों का स्टॉपेज जारी

नादरा बस स्टैंड, छोला रोड समेत व्यस्त मार्गों से होकर गुजरना पड़ता है. पीक आवर्स में ट्रैफिक जाम के कारण ट्रेन पकड़ने के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलना पड़ सकता है. इससे यात्रा का खर्च भी बढ़ सकता है. रेलवे का तर्क है कि निशातपुरा स्टेशन के शुरू होने से भविष्य में भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों का दबाव कम होगा. यहां आगे अन्य ट्रेनों को भी ठहराव दिया जा सकता है. हालांकि, मौजूदा स्थिति में कम यात्री संख्या और सीमित टिकट बिक्री के बीच दो प्रमुख ट्रेनों का स्टॉपेज शिफ्ट होना रेलवे और यात्रियों दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है.

9 .10 लाख की साइबर ठगी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 अगस्त. साइबर अपराधियों ने अलग-अलग तरीकों से तीन लोगों को निशाना बनाकर 9.10 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली.

बागसेवनिया निवासी 26 वर्षीय विष्णु शुक्ला को 6 दिसंबर 2025 को टेलीग्राम पर नौकरी का प्रस्ताव भेजा गया. इसके बाद उन्हें सिक्स टास्क ग्रुप एन-396 नामक समूह में जोड़कर ट्रेडिंग में निवेश करने पर रोजाना अधिक मुनाफे का लालच दिया गया. इस तरह साइबर ठगों ने कुल 7 लाख 78 हजार 500 रुपये हड़प लिए. इसी तरह साकेत नगर निवासी रीना कचेर का मोबाइल 31 जुलाई को अचानक हैक हो गया. इसके बाद उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से उनकी जानकारी और अनुमति के बिना छह ट्रांजेक्शन कर 50 हजार रुपये निकाल लिए गए.

भोपाल. लाल परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर पुलिस के जवान परेड की रिहर्सल कर रहे हैं. रिहर्सल सुबह और शाम के समय प्रतिदिन की जा रही है.

युवक की मौत, कुत्ते के काटने पर कराई थी झाड़फूंक

भोपाल. कटारा हिल्स इलाके में एक 30 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई. पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज कर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. जानकारी मुताबिक अनिल मरावी झुग्गीबस्ती में रहता था और मजदूरी करता था. वह करीब एक महीने पहले अपने गांव डिंडौरी गया था, जहां उसे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था. इलाज कराने के बजाए वह इसका झाड़फूंक करवाता रहा. भोपाल आने पर भी उसने रेबीज का इंजेक्शन नहीं लगवाया.

ट्रेन में चोरी करने वाला गिरफ्तार तीन लाख का सामान बरामद

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 4 अगस्त. ट्रेन में झाड़ू लगा कर महिला यात्री का सामान चोरी करने वाले आरोपी युवक को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार किया है. आरोपी के पास से दो तोला सोने का मंगलसूत्र, जिसकी कीमत करीब 3 लाख रुपए बरामद किया गया है. आरोपी अपना एक पैर पहले ही ट्रेन से गिरकर गवां चुका है. उसके खिलाफ पूर्व में भी अन्य चोरी के केस दर्ज रहे और उसकी गिरफ्तारी भी हुई है.

जीआरपी के मुताबिक ट्रेन में झाड़ू लगाते हुए एक महिला यात्री का पर्स चोरी करने वाले आरोपी संतोष (22) निवासी अयोध्या बायपास को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी के पास कीमती सोने का मंगलसूत्र बरामद किया गया है. फरियादी महिला चित्ररेखा निवासी रायपुर ने मामले की शिकायत 20 जुलाई को भोपाल जीआरपी में दर्ज कराई. चित्ररेखा ने जीआरपी को बताया कि वह अपने पति के साथ छतीसगढ़ एक्सप्रेस से कोच ए-1 में रायपुर से निजामुद्दीन की यात्रा कर रही थी.

27 साल बाद भी नियमित नहीं हुए कर्मचारी

निगम मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 4 अगस्त. नगर निगम के करीब 600 विनियमित कर्मचारियों ने मंगलवार को नियमितीकरण की मांग को लेकर निगम मुख्यालय अटल भवन पर प्रदर्शन किया. इसके बाद कर्मचारियों ने महापौर मालती राय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा.

कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि 15 अगस्त तक नियमितीकरण पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो सभी विनियमित कर्मचारी सामूहिक रूप से काम बंद कर देंगे. कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्ष 1997 से नगर निगम के विभिन्न विभागों में सेवाएं दे रहे हैं. नियमितीकरण नहीं होने के कारण कई कर्मचारी बिना स्थायी नियुक्ति पाए ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जबकि वर्तमान में भी सैकड़ों कर्मचारी वर्षों से उसी स्थिति में कार्य कर रहे हैं. कर्मचारियों ने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान अशोका गार्डन में आयोजित सभा में महापौर मालती राय और तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण कराने का आश्वासन दिया था.

व्यावसायिक गतिविधियों के मामले की सुनवाई आज

रहवासी,व्यापारी और नगर निगम रखेंगे अपना पक्ष

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 4 अगस्त. राजधानी में आवासीय कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हुई. सुनवाई अब बुधवार को होगी, जिसमें प्रशासन और रहवासियों को अपना पक्ष रखना है. इस मामले में अरेरा कॉलोनी के रहवासी पूर्णेंदु शुक्ला एवं अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है.

गौरतलब है कि नगर निगम ने 2 दिन तक लगातार कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सील बंदी की कार्रवाई की थी. कुछ प्रतिष्ठान के संचालकों ने स्वयं ही प्रतिष्ठान बंद कर दिए थे और कुछ हाईकोर्ट से स्टे लेकर आ गए. एक दुकान ई-4/99 का वर्ष 2022 से स्टे है. व्यवसायिओं और जनप्रतिनिधियों ने इस कार्रवाई को रोकने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी. इसके बाद निगम ने कार्रवाई रोक दी. सभी प्रतिष्ठान फिर से शुरू हो गए हैं.

डॉक्टरों के समर्थन में बनाई मानव श्रृंखला

एमबीबीएस इंटर्न का आंदोलन जारी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 4 अगस्त. इंटर्न डॉक्टरों को मिलने वाले कम स्टाइपेंड को लेकर राजधानी समेत प्रदेश भर में डॉक्टरों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है. जिसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) मध्यभारत ने भोपाल के पॉलीटेक्निक चौराहे पर मानव श्रृंखला बनाकर प्रदेश के एमबीबीएस और बीडीएस इंटनंर्स के स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग को लेकर प्रभावी प्रदर्शन किया.

संगठन ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रदेश के सभी सरकारी और निजी महाविद्यालयों में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे इंटर्न के लिए समान, पारदर्शी और सम्मानजनक स्टाइपेंड नीति तुरंत लागू की जाए.

> प्रदर्शन के दौरान अभाविप के प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी ने कहा कि मेडिकल और डेंटल इंटर्न अस्पतालों में मरीजों की देखभाल, आपातकालीन ड्यूटी और स्वास्थ्य सुविधाओं के संचालन में मुख्य भूमिका निभाते हैं .इसके बावजूद उन्हें उनके कार्य के अनुरूप उचित स्टाइपेंड नहीं मिल रहा है.

जनसुनवाई 183 आवेदन आएं, कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं और अधिकारियों को दिए निर्देश

कमाली मंदिर में कॉम्पलेक्स निर्माण रुकवाने पहुंचे महंत

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 4 अगस्त. कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को हुई जनसुनवाई में जमीन विवाद, उपचार में लापरवाही, पेंशन, नामांतरण, सीमांकन, अवैध निर्माण सहित अन्य 183 आवेदक पहुंचे. कलेक्टर ने इन लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए.

महंत रामचंद्र दास ने कलेक्टर को बताया कि कमाली मंदिर परिसर में अवैध निर्माण नहीं रुका है. पहले भी शिकायत की थी. सांसद आलोक शर्मा ने

भी अवैध निर्माण को रुकवाने के लिए आपको ज्ञापन दिया. इसके बाद भी कमाली मंदिर ट्रस्ट परिसर में कथित अवैध व्यावसायिक मार्केट/कॉम्पलेक्स निर्माण किया जा रहा है. उन्होंने ट्रस्ट से जुड़े राधामोहन दास और बिल्डर दिलीप कुकरेजा पर गंभीर आरोप लगाए. महंत ने कहा है कि मंदिर ट्रस्ट परिसर में उच्च न्यायालय एवं लोक न्यास प्राधिकरण के आदेशों की अवहेलना करते हुए बिना वैधानिक अनुमति और ट्रस्ट की वैध सहमति के व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा है. निर्माण के लिए की गई गहरी खुदाई से मंदिर परिसर की संरचना प्रभावित होने, दीवारों व भवन में दरारें आने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा आशंका जताई भी जताई है. साथ ही निर्माण के कारण पेड़ों की कटाई की बात कही है. इस पर कलेक्टर ने शहर एसडीएम दीपक पांडेय को जांच के लिए निर्देशित किया है. भौंरी में फ्लैट दिलाने की मांग को लेकर सिंगारचौली एयरपोर्ट रोड झुग्गी बस्ती के लोग पहुंचे. रहवासियों ने बताया कि कुछ लोगों को भौंरी में फ्लैट दिए गए हैं, जबकि प्रशासन ने लोगों से वादा किया था कि सभी को फ्लैट दिए जाएंगे.

> **डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप**
>
> जनसुनवाई में शाहजहांनाबाद निवासी राजकुमार ने आवेदन देकर एम्स के डॉ. अविनाश सिंह पर इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. पीड़ित ने बताया कि जनवरी में आंख में इन्फेक्शन हो गया था जिसका एम्स में इलाज कराया, जहां पांच बार ऑपरेशन किया गया. उसके बाद उनकी आंख ही निकाल दी गई और अब आगे के इलाज से भी मना कर दिया गया है.

एसडीएम ने आंगनबाड़ी केंद्र को लिया गोद

नवभारत संवाददाता

भोपाल 4 अगस्त. एमपी नगर तहसील की एसडीएम अर्चना रावत ने मंगलवार को आंगलवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया. यह सभी आंगनवाड़ी किराये के कमरे में संचालित हो रही थीं. इस दौरान एसडीएम अर्चना रावत शर्मा ने आंगनवाड़ी में माताओं और बच्चों से बात की और उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना. उसी दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र नंबर 783 को गोद ले लिया. अब एसडीएम इस आंगनबाड़ी के कुपोषित बच्चों की देखरेख करेंगी. उन्होंने आंगनबाड़ियों में नियमित जरूरी दवाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया.

ब्रिक्स सम्मेलन : चार दिन तक बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

नवभारत न्यूज

भोपाल, 4 अगस्त. राजधानी में होने जा रही तृतीय ब्रिक्स कार्य समूह की बैठक को लेकर यातायात पुलिस ने यातायात और पार्किंग व्यवस्था लागू की है. पुलिस ने 5 से 8 अगस्त के दौरान सुबह 9 से 11 बजे और शाम को प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही के समय वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है.

बुधवार सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच डेलीगेट्स के काफिले होटल ताज, जहांनुमा पैलेस, कोर्टयार्ड मैरियट, गोल्डन ट्यूलिप, रेडिसन और सदर मंजिल हेरिटेज से मिंटो हॉल पहुंचेंगे.

> इस दौरान कार्यक्रम स्थल के आसपास के मार्गों पर यातायात का दबाव अधिक रहेगा. आवश्यकता पड़ने पर पुलिस इन मार्गों पर यातायात का अस्थायी डायवर्जन करेगी. प्रतिनिधिमंडलों के वाहन पॉलिटेक्निक चौराहा, मछली घर, भारत माता चौराहा, जेल रोड, कंट्रोल रूम तिराहा, लाल बहादुर शास्त्री प्रतिमा, रोहित नगर, चुना भट्टी, मेनिट चौराहा, माता मंदिर, रेतघाट और किलोल पार्क जैसे प्रमुख मार्गों से होकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे.